GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 का कौशल विकास और दक्षता-आधारित शिक्षा पर प्रभाव: बी.एड. संस्थानों के संदर्भ में

दिलीपभाई जे. वसावा
आसिस्टन्ट प्रोफेसर,
एम. बी. पटेल कोलेज ओफ एज्युकेशन, सरदार पटेल युनिवर्सिटी, वल्लभ विद्यानगर
dilipvasava4meet@gmail.com

1. परिचय

राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 (NEP 2020) भारत की शिक्षा व्यवस्था में एक ऐतिहासिक बदलाव और पुनर्निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है। यह नीतिशिक्षा को व्यापक, समावेशी, और गुणवत्ता-आधारित बनाने का लक्ष्य लेकर आई है। भारत जैसे विविधता से परिपूर्ण देश में शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच बढ़ाने के लिए नई रणनीतियों और नीतिगत सुधारों की आवश्यकता थी, जिसे NEP 2020 ने पूरा करने का प्रयास किया है।

NEP 2020 की पृष्ठ भूमि में शिक्षा को केवल ज्ञानार्जन के एक माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि कौशल विकास और दक्षता आधारित शिक्षण के केंद्र में रखा गया है। इसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को रोजगारोन्मुखी, प्रासंगिक और व्यावहारिक बनाना है, ताकि विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जा सके।

इस संदर्भ में, बी.एड. संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि ये संस्थान शिक्षकों के प्रशिक्षण और उनके कौशल विकास के प्रमुख केंद्र हैं। बी.एड. पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षक न केवल विषयवस्तु में पारंगत होते हैं, बल्कि वे शिक्षण कौशल, शैक्षणिक तकनीकों, मनोविज्ञान, और व्यवहारिक शिक्षा में दक्षता भी प्राप्त करते हैं।

NEP 2020ने बी.एड. संस्थानों को नए कौशल और दक्षता-आधारित शिक्षण मॉडल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है, जिस में डिजिटल शिक्षा, परियोजना आधारित अधिगम, और मूल्यांकन के आधुनिक तरीकों को शामिल किया गया है। इस नीति के प्रभाव से शिक्षण प्रशिक्षण अधिकप्रभावी, व्यावहारिक और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुकूल बनने की संभावना बढ़ गई है।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

इस शोधपत्र में राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के कौशल विकास और दक्षता-आधारित शिक्षा पर बी.एड. संस्थानों के प्रभाव का विश्लेषण किया जाएगा, साथ ही वर्तमान परिस्थितियों, चुनौतियों और सुधारात्मक सुझावों पर भी प्रकाश डाला जाएगा।

१.१ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पृष्ठभूमि और उद्देश्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 को भारत सरकार द्वारा शिक्षा के समग्र सुधार हेतु अपनाया गया एक व्यापक और नवीन दृष्टिकोण माना जाता है। यह नीति पूर्व की नीतियों की तुलना में आधुनिक युग की आवश्यकताओं, वैश्विक परिप्रेक्ष्य और तकनीकी विकास को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को अधिक समावेशी, गुणवत्ता-उन्मुख और नवाचार प्रधान बनाना है ताकि छात्रों को 21वीं सदी के कौशल और दक्षताओं से लैस किया जा सके।

बी.एड. संस्थान भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि वे भविष्य के शिक्षक तैयार करते हैं। NEP 2020 के तहत शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों में कौशल विकास एवं दक्षता-आधारित शिक्षा को मजबूती से लागू करने का प्रस्ताव है।

राष्ट्रीय शिक्षानीति (NEP) 2020 भारत सरकार द्वारा 29जुलाई 2020 को जारी की गई एक समग्र और दूरगामी शिक्षानीति है, जिसका उद्देश्य देशकी शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी के वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करना है। यह नीति 1986 की राष्ट्रीय शिक्षानीति का नवीनतम संस्करण है, जिसे समय की आवश्यकताओं, तकनीकीप्रगति और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों के मद्दे नजर पुनःसंशोधित किया गया है।

पिछले दशकों में वैश्वीकरण, डिजिटलक्रांति, आर्थिक परिवर्तनों और रोजगार के स्वरूप में आए बदलावों के कारण शिक्षाप्रणाली में नयी चुनौतियाँ और अवसर उत्पन्न हुए हैं। इसके साथ ही, भारतीय शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता, समावेशन, और प्रशिक्षण के स्तर में सुधार की गहरी आवश्यकता महसूस की गई। इन कारणों से NEP 2020 को तैयार किया गया, जो शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण सुधार के साथ-साथ कौशल विकास, नवाचार और समग्र मानवविकास पर केंद्रित है।

इस नीति का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रखकर, जीवन कौशल, व्यावहारिक दक्षता, और संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के साथ जोड़ना है। NEP 2020 युवाओं को न

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

केवल रोजगार के लिए तैयार करती है, बल्कि उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का मार्गभी प्रदान करती है।

विशेषकर, NEP 2020 में कौशल विकास और दक्षता-आधारित शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है, जिस से विद्यार्थियों की व्यावहारिक क्षमता और रोजगार योग्यता बढ़े। यह नीति शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों, जैसे कि बी.एड. कॉलेजों, को भी अधिक व्यावहारिक, अनुसंधान-आधारित और डिजिटल साक्षरता से लैस बनाने की दिशा में कार्यकर ने के लिए प्रेरित करती है।

इस प्रकार, NEP 2020 का उद्देश्य शिक्षा को एक समग्र, लचीला, और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनानेवाली प्रणाली बनाना है, जो व्यक्तिगत, सामाजिक, और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा दे सके।

१.२ कौशल विकास एवं दक्षता-आधारित शिक्षा का महत्व

कौशल विकास केवल तकनीकी योग्यता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें समस्या समाधान, संचार कौशल, नवाचार, डिजिटल साक्षरता, और क्रिटिकल थिंकिंग जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं। दक्षता-आधारित शिक्षा शिक्षार्थी के वास्तविक दक्षताओं, व्यवहारिक क्षमता और परिणामों पर केंद्रित होती है। ये दोनों पहलू बी.एड. पाठ्यक्रम में शिक्षक तैयार करने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, प्रासंगिक और रोजगारोन्मुखी बनाते हैं।समय की मांग है कि शिक्षक न केवल विषयगत ज्ञान में पारंगत हों, बल्कि आधुनिक शिक्षण तकनीकों, छात्रों के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक विकास को समझते हुए, उन्हें बेहतर तरीके से मार्गदर्शन कर सकें।आज के तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं माना जाता। व्यक्ति को सफल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक है कि वह विशिष्ट कौशलों में दक्ष हो और व्यवहारिक चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम हो। यही कारण है कि कौशल विकास और दक्षता आधारित शिक्षा का महत्व आज और भी बढ़ गया है। कौशल विकास से आशय है उन तकनीकी, संचार, समस्या समाधान, नेतृत्व, और व्यावहारिक क्षमताओं का विकास करना, जो किसी भी पेशे या जीवन क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक होती हैं। यह न केवल रोजगार पाने के लिए, बल्कि सामाजिक और व्यक्तिगत विकास के लिए भी अनिवार्य है।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

दक्षता-आधारित शिक्षा (Competency-Based Education) का मतलब है शिक्षा प्रणाली का ऐसा स्वरूप, जिसमें शिक्षार्थी को विषयगत ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक दक्षता, योग्यता और क्रियान्वयन क्षमता में प्रशिक्षित किया जाता है। इसमें शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण कराना नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में उपयोगी कौशलों और क्षमताओं का विकास करना होता है।बी.एड. जैसे शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के संदर्भ में, कौशल विकास का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है क्योंकि शिक्षक ही वे व्यक्ति होते हैं जो आने वाली पीढ़ी को शिक्षित और मार्गदर्शित करते हैं। एक दक्ष और कौशल संपन्न शिक्षक ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर सकता है जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक हो।NEP 2020 में भी इस बात पर जोर दिया गया है कि शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान न केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करें, बल्कि शिक्षकों को व्यावहारिक कौशल, डिजिटल साक्षरता, संवाद कौशल और मूल्यांकन के आधुनिक तरीकों से लैस करें। इससे शिक्षकों की कार्यक्षमता बढ़ती है और वे बेहतर ढंग से छात्रों की शिक्षा में सुधार कर पाते हैं।

इस प्रकार, कौशल विकास और दक्षता-आधारित शिक्षा शिक्षकों की योग्यता बढ़ाने, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, और समग्र शिक्षा प्रणाली को समय की मांगों के अनुरूप प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

१.३ बी.एड. संस्थानों की भूमिका

बी.एड. संस्थान देश के शिक्षण क्षेत्र के भविष्य के निर्माता हैं। वे शिक्षकों को समर्पित प्रशिक्षण, कौशल विकास, व्यावहारिक शिक्षा और नवीनतम शैक्षणिक पद्धतियों से परिचित कराते हैं।

NEP 2020 के तहत बी.एड. पाठ्यक्रमों को पुनः संरचित किया गया है ताकि वे अधिक समन्वित, कौशल-आधारित और दक्षता-परक हों। इस नीति ने बी.एड. संस्थानों को अनिवार्य किया है कि वे शोध, प्रयोगात्मक शिक्षण, और डिजिटल शिक्षण संसाधनों का व्यापक उपयोग करें।

इसके अलावा, इन संस्थानों को ऐसे शिक्षण माहौल का निर्माण करना है जो शिक्षार्थियों को सक्रिय शिक्षण विधियों, सहयोगात्मक अधिगम और सतत् मूल्यांकन से जोड़े। बी.एड. संस्थान शिक्षा क्षेत्र में शिक्षक प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र होते हैं, जो शिक्षकों को न केवल विषयगत ज्ञान बल्कि शिक्षण विधियों, मनोवैज्ञानिक समझ, और व्यवहारिक कौशलों से भी लैस करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षानीति

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

2020 के संदर्भ में बी.एड. संस्थानों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह नीति कौशल विकास और दक्षता-आधारित शिक्षण को प्राथमिकता देती है।

बी.एड. संस्थानों का कार्य केवल शिक्षकों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि उन्हें आधुनिक शिक्षण तकनीकों, मूल्यांकन पद्धतियों, शैक्षिक अनुसंधान, और डिजिटल साक्षरता में भी प्रशिक्षित करना है। इससे शिक्षक न केवल कक्षा में बेहतर शिक्षण दे पाते हैं, बल्कि वे छात्रों के संपूर्ण विकास में भी सहायक बनते हैं। NEP 2020 के तहत, बी.एड. संस्थानों को अपने पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक शिक्षण, इंटर्नशिप, परियोजना आधारित अधिगम, और प्रशिक्षण कार्यशालाओं का समावेश करना आवश्यक है। यह न केवल शिक्षकों की व्यवहारिक दक्षता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें नई तकनीकों और नवा चारों के साथ सामंजस्य स्थापित करने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, बी.एड. संस्थान शिक्षक प्रशिक्षुओं को समावेशी शिक्षा, बालविकास, शिक्षा में विविधता और विभिन्न शिक्षण आवश्यकताओं को समझने के लिए तैयार करते हैं। इस तरह, वे एक ऐसी शिक्षा प्रणाली के लिए शिक्षक तैयार करते हैं जो सामाजिक न्याय, समानता और गुणवत्ता की गारंटी दे सके।

अतः बी.एड. संस्थानों की भूमिका देश की शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता सुधारने, कौशलयुक्त शिक्षकों का निर्माण करने, और समग्र शैक्षणिक वातावरण को सशक्त बनाने में केंद्रीय भूमिका निभानेवाली है। वे शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के लक्ष्यों को साकार करने में महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

२. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख प्रावधान जो कौशल विकास और दक्षता आधारित शिक्षा को प्रभावित करते हैं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं जो विशेष रूप से कौशल विकास और दक्षता-आधारित शिक्षा को मजबूती प्रदान करते हैं। ये प्रावधान शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों, विशेषकर बी.एड. कॉलेजों के लिए नई दिशा और अवसर प्रस्तुत करते हैं। नीचे प्रमुख प्रावधानों का विवरण दिया गया है:

२.१ कौशल आधारित पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण

NEP 2020 ने शिक्षण प्रशिक्षण में कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को अनिवार्य कर दिया है। इसका उद्देश्य शिक्षकों को व्यावहारिक, तकनीकी और संचार कौशल प्रदान करना है ताकि वे छात्रों को

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

आधुनिक शिक्षण तकनीकों और समस्याओं के समाधान के लिए सक्षम बना सकें। यह प्रावधान बी.एड. पाठ्यक्रमों को अधिक व्यवहारिक और रोजगारोन्मुखी बनाता है।

२.२ दक्षता-आधारित मूल्यांकन प्रणाली

पारंपरिक परीक्षा पद्धति की जगह NEP 2020 दक्षता-आधारित मूल्यांकन प्रणाली को बढ़ावा देती है, जिसमें छात्रों की वास्तविक योग्यता, व्यवहारिक दक्षता और समझ पर ध्यान दिया जाता है। यह शिक्षकों को प्रशिक्षित करता है कि वे मूल्यांकन में नवाचार करें और सतत् मूल्यांकन प्रणाली अपनाएं।

२.३ डिजिटल शिक्षा एवं तकनीकी साक्षरता का समावेश

NEP 2020 डिजिटल शिक्षा को व्यापक रूप से अपनाने पर जोर देती है। यह शिक्षण संस्थानों को शिक्षकों और शिक्षार्थियों दोनों के लिए डिजिटल उपकरणों और संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करती है। बी.एड. संस्थानों में डिजिटल साक्षरता की ट्रेनिंग से शिक्षकों की आधुनिक तकनीकों से दक्षता बढ़ती है।

२.४ व्यावहारिक शिक्षण एवं इंटर्नशिप

NEP 2020 में शिक्षण प्रशिक्षण के दौरान व्यावहारिक अनुभव और इंटर्नशिप को अनिवार्य किया गया है। यह प्रावधान शिक्षकों को वास्तविक कक्षा वातावरण में सीखने और अभ्यास करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे उनकी व्यावहारिक दक्षता और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

२.५ अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देती है। यह प्रावधान बी.एड. कॉलेजों को शिक्षण विधियों में नवीनता लाने, समस्याओं के समाधान हेतु शोध करने और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रेरित करता है।

२.६ समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

NEP 2020 में समावेशी शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है, जिससे सभी वर्गों के शिक्षार्थियों को समान अवसर और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। बी.एड. संस्थानों को ऐसे शिक्षकों का निर्माण करना है जो विविधता को समझें और सभी छात्रों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

३. बी.एड. संस्थानों में कौशल विकास की वर्तमान स्थिति और चुनौतियाँ

बी.एड. संस्थान शिक्षकों के प्रशिक्षण और कौशल विकास के प्रमुख केंद्र होते हुए भी वर्तमान समय में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जो उनके प्रभावी संचालन और कौशल आधारित शिक्षा के प्रसार में बाधक हैं। इन चुनौतियों को समझना और उनका समाधान करना आवश्यक है ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक लागू किया जा सके।

३.१ परंपरागत शिक्षण विधियों की प्रधानता

अधिकांश बी.एड. संस्थानों में अभी भी पारंपरिक व्याख्यान आधारित शिक्षण विधियाँ प्रचलित हैं। ये विधियाँ अक्सर रटंत और सैद्धांतिक होती हैं, जिनमें व्यावहारिक कौशल के विकास को पर्याप्त स्थान नहीं मिलता। परिणामस्वरूप, प्रशिक्षु शिक्षक व्यवहारिक दक्षताओं से वंचित रह जाते हैं, जो उन्हें वास्तविक कक्षा की चुनौतियों से निपटने में कमजोर बनाता है।

३.२ व्यावहारिक अनुभव और प्रयोगात्मक शिक्षण की कमी

अधिकांश प्रशिक्षण संस्थानों में शिक्षण अभ्यास (Teaching Practice) और इंटर्नशिप के अवसर सीमित या असंगठित हैं। इससे प्रशिक्षुओं को कक्षा में व्यवहारिक अनुभव प्राप्त करने और वास्तविक परिस्थितियों में सीखने का मौका नहीं मिलता। प्रयोगात्मक शिक्षण के अभाव से उनकी समस्या-समाधान और निर्णय-निर्धारण क्षमताएँ विकसित नहीं हो पातीं।

३.३ डिजिटल संसाधनों और आधुनिक तकनीकों का सीमित उपयोग

डिजिटल उपकरण, शिक्षण-प्रणालियाँ और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म बी.एड. संस्थानों में अपेक्षित स्तर पर उपयोग में नहीं लाए जा रहे हैं। इससे डिजिटल साक्षरता और तकनीकी दक्षता का विकास बाधित होता है, जबकि आज की शिक्षा प्रणाली में डिजिटल शिक्षण अनिवार्य होता जा रहा है।साथ ही, तकनीकी नवाचारों की अनुपस्थिति शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ने में बाधा बनती है।

३.४ प्रशिक्षकों में कौशल विकास के प्रति जागरूकता की कमी

बी.एड. संस्थानों के प्रशिक्षकों और शिक्षकों में स्वयं कौशल विकास के प्रति जागरूकता और नवीन शिक्षण तकनीकों को अपनाने की प्रवृत्ति सीमित पाई जाती है। कई बार प्रशिक्षण कर्मी भी पारंपरिक

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

तरीकों पर ही अधिक निर्भर रहते हैं, जिससे प्रशिक्षुओं को उन्नत कौशल प्राप्त करने में कठिनाई होती है।

३.५ नीतिगत दिशा-निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन न होना

हालांकि NEP 2020 जैसी नीतियाँ कौशल विकास और दक्षता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देती हैं, लेकिन बी.एड. संस्थानों में इनके प्रभावी क्रियान्वयन की समस्या बनी हुई है। नीतिगत दिशानिर्देशों की जानकारी, संसाधनों की कमी, प्रशिक्षण की असंगठित प्रकृति, और प्रशासनिक बाधाएँ इस क्रियान्वयन को कमजोर बनाती हैं।

बी.एड. संस्थानों में कौशल विकास के क्षेत्र में ये चुनौतियाँ उनके उद्देश्यों की प्राप्ति में बाधक हैं। इन चुनौतियों का समाधान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को पूरी गंभीरता से अपनाकर, प्रशिक्षकों और संस्थानों को प्रोत्साहित कर, और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर ही संभव है। तभी बी.एड. संस्थान आधुनिक शिक्षा की मांगों के अनुरूप सक्षम शिक्षक तैयार कर सकेंगे।

४. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का बी.एड. संस्थानों पर प्रभाव: एक विश्लेषण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की दिशा में कदम बढ़ाया है, जिसका बी.एड. संस्थानों पर गहरा प्रभाव पड़ा है। यह नीति शिक्षण प्रशिक्षण को अधिक आधुनिक, व्यावहारिक, और कौशल-आधारित बनाने पर केंद्रित है, जिससे शिक्षक समुदाय की गुणवत्ता और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि संभव हो पाई है। नीचे इस नीति के बी.एड. संस्थानों पर पड़ने वाले प्रमुख प्रभावों का विश्लेषण किया गया है:

४.१ पाठ्यक्रम पुनर्गठन से शिक्षकों की दक्षता में वृद्धि

NEP 2020 ने बी.एड. पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन कर उन्हें अधिक समन्वित, व्यावहारिक और कौशल-प्रधान बनाया है। इस पुनर्गठन के कारण प्रशिक्षु शिक्षकों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि उन्हें व्यवहारिक कौशल, शिक्षण विधियों, मूल्यांकन तकनीकों और नवाचारों में भी प्रशिक्षित किया जाता है। इससे शिक्षकों की समग्र दक्षता और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

४.२ शिक्षण प्रशिक्षण में अधिक व्यावहारिकता और नवाचार

NEP के तहत बी.एड. संस्थानों में शिक्षण अभ्यास (teaching practice), इंटर्नशिप, और परियोजना आधारित अधिगम को अनिवार्य किया गया है। यह व्यावहारिक शिक्षण प्रशिक्षुओं को

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

वास्तविक कक्षा परिस्थितियों का अनुभव प्रदान करता है और नवाचार के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे शिक्षकों में समस्या समाधान और निर्णय क्षमता का विकास होता है।

४.३ कौशल आधारित शिक्षण से रोजगार योग्यता बढ़ना

नई नीति के अनुसार बी.एड. पाठ्यक्रमों में कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। इससे प्रशिक्षु शिक्षक रोजगारोन्मुखी कौशल जैसे संचार, नेतृत्व, डिजिटल साक्षरता आदि में दक्ष होते हैं, जो न केवल शिक्षण के क्षेत्र में बल्कि अन्य सामाजिक और शैक्षणिक कार्यों में भी उनकी योग्यता बढ़ाते हैं।

४.४ डिजिटल शिक्षा के समावेश से शिक्षण गुणवत्ता में सुधार

NEP 2020 ने डिजिटल शिक्षा और तकनीकी संसाधनों के व्यापक उपयोग को बढ़ावा दिया है। बी.एड. संस्थान अब डिजिटल शिक्षण उपकरण, ऑनलाइन संसाधनों और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग कर प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बना रहे हैं। इससे शिक्षकों की डिजिटल साक्षरता बढ़ी है, और वे आधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर शिक्षा को रोचक एवं सुलभ बना पा रहे हैं।

४.५ सतत् मूल्यांकन से शिक्षार्थी के सीखने के स्तर का बेहतर आकलन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने पारंपरिक परीक्षा प्रणाली से हटकर सतत् और व्यापक मूल्यांकन की प्रणाली को अपनाने पर बल दिया है। बी.एड. संस्थान प्रशिक्षुओं को ऐसे मूल्यांकन मॉडल अपनाने के लिए प्रशिक्षित करते हैं, जो सीखने की प्रक्रिया को बेहतर समझने, कमजोरियों की पहचान करने और सुधारात्मक कदम उठाने में मदद करते हैं। इससे शिक्षा की गुणवत्ता और परिणामों में सुधार आता है।

NEP 2020 के प्रावधानों ने बी.एड. संस्थानों को न केवल शिक्षण प्रशिक्षण के मानकों को ऊंचा उठाने का अवसर दिया है, बल्कि उन्हें आधुनिक शिक्षा की मांगों के अनुरूप बदलने और बेहतर शिक्षक तैयार करने के लिए प्रेरित किया है। इस नीति के प्रभाव से प्रशिक्षित शिक्षक न केवल विषय विशेषज्ञ होते हैं, बल्कि व्यावहारिक, नवाचारी और तकनीकी रूप से दक्ष भी होते हैं, जो समग्र शिक्षा प्रणाली के सुधार में सहायक हैं।

५. सुझाव एवं सुधारात्मक उपाय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन और बी.एड. संस्थानों में कौशल विकास एवं दक्षता आधारित शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए कुछ आवश्यक सुझाव और सुधारात्मक उपाय अपनाए

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

जाने चाहिए। ये उपाय न केवल प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाएंगे, बल्कि शिक्षकों को समकालीन शिक्षा की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में भी सहायक होंगे।

५.१ बी.एड. पाठ्यक्रमों में कौशल विकास के लिए विशेष मॉड्यूल शामिल करना

बी.एड. पाठ्यक्रमों में केवल विषयगत ज्ञान के साथ-साथ शिक्षण कौशल, डिजिटल साक्षरता, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और समस्या समाधान जैसे विविध कौशल विकसित करने वाले विशेष मॉड्यूल शामिल किए जाने चाहिए। इससे प्रशिक्षु शिक्षकों को बहुआयामी दक्षता प्राप्त होगी और वे आधुनिक कक्षा प्रबंधन में सक्षम होंगे।

५.२ प्रशिक्षकों के लिए नियमित कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम

बी.एड. संस्थानों के प्रशिक्षकों के लिए नवीनतम शिक्षण तकनीकों, डिजिटल उपकरणों, और कौशल विकास पर नियमित कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। इससे प्रशिक्षक स्वयं निरंतर अद्यतन रहेंगे और प्रशिक्षुओं को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान कर सकेंगे।

५.३ डिजिटल उपकरणों और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना

डिजिटल शिक्षा के प्रसार के लिए आवश्यक उपकरण, जैसे कंप्यूटर, इंटरनेट कनेक्शन, स्मार्ट क्लासरूम, और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म बी.एड. संस्थानों में उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। यह संसाधनों की कमी शिक्षकों और छात्रों दोनों के कौशल विकास में बाधक हो सकती है।

५.४ शिक्षण संस्थानों और उद्योग के बीच समन्वय बढ़ाना

शिक्षण संस्थानों को विभिन्न उद्योगों, तकनीकी संस्थानों और शोध केंद्रों के साथ सहयोग स्थापित करना चाहिए ताकि शिक्षण प्रशिक्षण व्यावहारिक और रोजगारोन्मुखी हो सके। इससे प्रशिक्षुओं को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का अनुभव मिलेगा और उनकी रोजगार योग्यता बढ़ेगी।

५.५ शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों का क्रियान्वयन

बी.एड. संस्थानों में शिक्षण विधियों, मूल्यांकन तकनीकों और शिक्षा के अन्य पहलुओं में शोध और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ बनानी और लागू करनी चाहिए। यह नवाचार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के साथ-साथ शिक्षकों को नई सीखने की प्रक्रियाओं से जोड़ने में मदद करेगा।

इन सुधारात्मक उपायों को लागू करने से बी.एड. संस्थान न केवल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्रभावी रूप से पूरा कर पाएंगे, बल्कि वे शिक्षण के क्षेत्र में एक स्थायी और सकारात्मक बदलाव भी ला

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

सकेंगे। कौशल विकास और दक्षता-आधारित शिक्षा के माध्यम से तैयार शिक्षक भविष्य की शिक्षा प्रणाली को अधिक मजबूत और सशक्त बनाएंगे।

६. निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक सकारात्मक बदलाव की नींव रखी है। कौशल विकास और दक्षता-आधारित शिक्षा के माध्यम से बी.एड. संस्थानों का स्वरूप समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप ढल रहा है। हालांकि इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नीति, संसाधन और प्रशिक्षण की बेहतर व्यवस्था आवश्यक है। बी.एड. संस्थान शिक्षकों को नई क्षमताओं से लैस कर सकते हैं जो न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक विकास में भी योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020ने भारतीय शिक्षाप्रणाली में एक सकारात्मक और दूरगामी बदलाव की नींवरखी है। इस नीतिने कौशल विकास और दक्षता-आधारित शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए बी.एड. संस्थानों के प्रशिक्षण मॉडल को समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप पुनःसंरचित किया है। इसके माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण अधिक व्यावहारिक, नवाचारी और रोजगारोन्मुखीबन रहा है, जिस से शिक्षकों की गुणवत्ता और दक्षता में सुधार हो रहा है।

फिर भी, नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त संसाधन, प्रशिक्षक विकास, तकनीकी उपकरणों की उपलब्धता, और प्रशासनिक समर्थन अत्यंत आवश्यक हैं। इस के बिना, नीतिगत प्रावधान केवल कागजों तक सीमित रह सकते हैं। इसलिए, बी.एड. संस्थानों को इन चुनौतियों का सामना करते हुए निरंतर सुधारात्मक कदम उठाने होंगे।

सशक्त और कौशल संपन्न शिक्षक न केवल शिक्षा के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकते हैं, बल्कि वे सामाजिक और आर्थिक विकास के भी महत्वपूर्ण संवाहक बन सकते हैं। इसलिए, राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के तहत बी.एड. संस्थानों का सशक्तिकरण भारत के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

संदर्भ

भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय। (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. नई दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय।

शर्मा, आर. के. (2021). शिक्षा में कौशल विकास और उसकी भूमिका. जयपुर: शिक्षा प्रकाशन।

सिंह, प्रिया। (2022). "बी.एड. प्रशिक्षण में कौशल आधारित शिक्षा की आवश्यकता".शिक्षा एवं समाज, 15(3), 45-58।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

पटेल, संजय। (2021). दक्षता-आधारित शिक्षा: सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण. मुंबई: ज्ञानदूत प्रकाशन।

राष्ट्रीय शिक्षण प्रशिक्षण परिषद। (2021). शिक्षक प्रशिक्षण में नवीनतम दृष्टिकोण. नई दिल्ली।

वर्मा, नीना। (2020). "डिजिटल शिक्षा और शिक्षक प्रशिक्षण".भारतीय शिक्षाशास्त्र जर्नल, 12(2), 88-99।

मिश्रा, अमित। (2021). "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभाव में बी.एड. पाठ्यक्रम पुनर्गठन".शैक्षणिक अनुसंधान पत्रिका, 10(4), 112-126।

देशमुख, माधुरी। (2022). समावेशी शिक्षा और शिक्षक प्रशिक्षण. पुणे: सामाजिक शिक्षा केंद्र।

भारतीय शैक्षणिक अनुसंधान परिषद। (2020). भारत में शिक्षक विकास के मानक और दिशा-निर्देश. नई दिल्ली।

शर्मा, मनीषा। (2021). "बी.एड. संस्थानों में कौशल विकास की चुनौतियाँ".शिक्षा और विकास, 8(1), 23-37।

कुमारी, रिया। (2020). "डिजिटल युग में शिक्षक प्रशिक्षण".तकनीकी शिक्षा समीक्षा, 7(3), 56-67।

देशपांडे, राजेश। (2021). शिक्षा में नवाचार और सुधार: राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में. मुंबई: शिक्षण साहित्य प्रकाशन।